

8. 11/1/2008

Figure 1

815-28-555-6

95775-135-4

1998

1. Introduction

0.0000

2351 155622

[Faint, illegible handwriting]

$$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$$

2020 10 14

[illegible]

518 6 200 2

45. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

1991

5. निम्नलिखित

Bushy

Part 2: 4, 5

Unit 1

25/07/2021

मनुष्य एक अत्यन्त अद्वितीय है, किन्तु इसकी अभिवृद्धि
के लिये उसे शिक्षा, शक्ति और धर्म की आवश्यकता है।
यदि कोई व्यक्ति इन तीनों में से किसी एक को छोड़ देता है
तो वह अपने जीवन को निराशा और निराशा के एक
अवस्था में छोड़ देता है। अतः हमें इन तीनों को अपने जीवन में
अवश्य ही रखना है। शिक्षा हमें ज्ञान प्रदान करती है, शक्ति हमें
कार्य करने की क्षमता प्रदान करती है, और धर्म हमें सही मार्ग प्रदान करता है।
इस प्रकार हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

अतः हमें अपने जीवन में शिक्षा, शक्ति और धर्म को अवश्य ही
रखना है। शिक्षा हमें ज्ञान प्रदान करती है, शक्ति हमें कार्य करने की
क्षमता प्रदान करती है, और धर्म हमें सही मार्ग प्रदान करता है।
इस प्रकार हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

अतः हमें अपने जीवन में शिक्षा, शक्ति और धर्म को अवश्य ही
रखना है। शिक्षा हमें ज्ञान प्रदान करती है, शक्ति हमें कार्य करने की
क्षमता प्रदान करती है, और धर्म हमें सही मार्ग प्रदान करता है।
इस प्रकार हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

अतः हमें अपने जीवन में शिक्षा, शक्ति और धर्म को अवश्य ही
रखना है। शिक्षा हमें ज्ञान प्रदान करती है, शक्ति हमें कार्य करने की
क्षमता प्रदान करती है, और धर्म हमें सही मार्ग प्रदान करता है।
इस प्रकार हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

विकास हुआ।

मानव के हाथ की लालना करते हुए
उसने हाइड्रोजन से कहा है कि यह शक्ति
मनुष्य शक्ति का पथ है जिससे मानव
पर आइए, पथों को उत्तम दिशा-दर्शन है।
शक्ति काल है लोगों की मुक्ति का
जीति यदि राजा माना से मुक्त शक्ति
पहनकर मुक्त में आता लेता है तो उसकी
विजय निश्चित है। विजय का पुरा
जो न ही-न शक्ति को न देकर मना को ही
दिखा जाता था।

आर. आर. मैट्टे के अनुसार
मनाइज्म जीव वाद के लिए 1-भाग बना
है। 1-वन छुट्टि कोलों से यह 6-पल है
कि मनाइज्म जीव वाद के पहले की अवस्था
है। जीव वाद के पूर्व प्राचीन काल के लोगों
ने मना दे ही महत्व पूर्ण और मसीह शक्ति
की उपासना की। आर. आर. मैट्टे का विचार था
अतः मनाइज्म जीव वाद के पहले
की अवस्था है। जो कि आदिम मनुष्य
मानव की विद्युत् की दृष्टि से शक्ति प्राप्त
लिता गया है इस प्रकार मानव को शक्ति-
शील माना गया है।